महाकाल को मनाएंगे भोलेनाथ को मनाएंगे

महांकाल को मनायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे ,
महांकाल को मनायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे ,
झूमो नाचों आओ, मिल गाओ रे भक्तो,
महिमा हम तो उनकी गायेगे , भोलेनाथ को मनायेगे,
महांकाल को मनायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे,

मस्तक पर चंदा उनके हें साजे , उनके हें साजे, उनके हें साजे ,
गले में सर्पो की माला विराजे , माला बिराजे, माला बिराजे ,
जटाओ से गंगा बहती है कल-कल , देवपित्रो को मुक्त करती है हर-पल ,
ऐसे भोले को मनायेगे, महांकाल को मनायेगे,
महांकाल को मनायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे

कैलाश पर्वत पर बैठे हें भोले, बैठे हें भोले, बैठे हें भोले ,
मृगो की छाला को, रहते है ओढ़े , रहते है ओढ़े, रहते है ओढ़े,
तन पर भस्मी रमाये हुए है , ध्यान मुद्रा वो लगाये हुए है ,
गुण उनके हम तो गायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे,
महांकाल को मनायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे ,

उज्जैयनी में रहते, बाबा महांकाल ,मेरे महांकाल, बाबा महांकाल ,
माता शक्ति संग भैरव उनके साथ ,शक्ति भी साथ, भैरव भी साथ,
नर नारी, जो कोई, आये यहाँ पर , मन इच्छा पूरी हो, जाये यहाँ पर,
सत्य' कहे शिव को ध्यायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे,
महांकाल को मनायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे ,

रचियता-सतीश गोथरवाल 'सत्य'
स्वर - हर्षिता कोंकने
संगीत - विजय गोथरवाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22450/title/mahakal-ko-manayenge-bholenath-ko-manayenge

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |